सर्वहारा दृष्टिकोण

सोशलिस्ट यूनिटी सेन्टर ऑफ इण्डिया (कम्युनिस्ट) का मुखपत्र (पाक्षिक)

वर्ष-29 अंक-3 7 से 21 फरवरी, 2014 मुख्य संपादक कॉमरेड कृष्ण चक्रवर्ती Email: sarvaharadrishtikon@gmail.com मूल्य : 2 रुपये

वाह! क्या सैलाब आया है विकास का मोदी के गुजरात में!!

देश के भावी प्रधानमंत्री के रूप में नरेन्द्र मोदी की पात्रता के बारे में तमाम मुख्य धारा मीडिया में आये दिन हो हल्ला तेज होता जा रहा है। कारण बताया जा रहा है उनके द्वारा गुजरात में किया गया चौतरफा बहुआयामी विकास। लेकिन समस्या यह है कि प्रकाशित तथ्य, सरकारी रिपोर्टें, सरकारी आंकड़े और वास्तविकता ठीक उल्टी बात कह रहे हैं। कुछ ऊँची-ऊँची इमारतें, सड़कों का जाल या पश्चिमी अहमदाबाद में माल कल्चर या राज्य की राजधानी गाँधी नगर में कुछ बड़ी और मशहूर बहुराष्ट्रीय कम्पनियाँ ही तो विकास का पैमाना नहीं है। कुछ साक्ष्य यहाँ प्रस्तुत किए जा रहे हैं।

बेरोजगारी और मजदूरों की दुर्दशा

स्वर्णिम गुजरात में पिछले दो सालों में बेरोजगारों की संख्या 97,095 तक बढ़ गई है। बेरोजगारों की संख्या औसतन 4000 प्रतिमाह की दर से बढ़ रही है।

शहरी और ग्रामीण दोनों क्षेत्रों में अस्थाई मजदूर जो मजदूरी पाते हैं वह राष्ट्रीय औसत से कम है। ग्रामीण वेतन भोगी प्रतिदिन 254 रुपये पाते हैं जबकि राष्ट्रीय औसत 299 रुपये है।

पूरा राज्य ही एक 'विशेष आर्थिक जोन' है जहाँ उद्योगपतियों को भारी कर छूटों, मुफ्त जमीन, मुफ्त पानी, मुफ्त बिजली और अपनी इच्छानुसार मजदूरों को रखने और निकालने का अधिकार प्राप्त है। यह भी सुनिश्चित किया गया है कि राज्य में किसी भी मजदूर आन्दोलन को पनपने नहीं दिया जाएगा। बड़े कॉरपोरेट निकायों को 'अवांछित' लाभ पहुँचाने के जरिए खजाने को लगभग 580 रुपये का नुकसान पहुँचाने के लिए सीएजी ने गुजरात सरकार और राज्य सार्वजनिक क्षेत्र उद्यमों को आड़े हाथों लिया है।

(शेष पृष्ठ 2 पर)

प.बंगाल के बीरभूम जिले में हुई सामूहिक बलात्कार की घटना के विरोध में दिल्ली व अन्य जगहों पर रोष प्रदर्शन

नई दिल्ली : ऑल इण्डिया महिला सांस्कृतिक संगठन की दिल्ली राज्य कमेटी द्वारा पश्चिम बंगाल के बीरभूम जिले के लाभपुर गाँव की एक महिला का 13 लोगों द्वारा, जिसमें गाँव का मुखिया भी शामिल था, बलात्कार किए जाने के विरोध में 3 फरवरी को बंग भवन, हेली रोड, नई दिल्ली पर एक विरोध प्रदर्शन किया गया। दिल्ली के विभिन्न इलाकों से आई काफी महिलाओं ने इस विरोध प्रदर्शन में हिस्सा लिया। विरोध प्रदर्शन के दौरान हुई सभा में मुख्य वक्ता एस.यू.सी.आई.(सी) के दिल्ली राज्य सचिवमण्डल सदस्य कामरेड प्राण शर्मा के अलावा ऑल इण्डिया महिला सांस्कृतिक संगठन की कार्यकर्ताओं ने भी अपनी बात रखी। इनमें शामिल थे ए.आई.एम.एस.एस. की दिल्ली राज्य सचिव रितु कौशिक, राज्य कमेटी सदस्य सीता सिंह, स्मिता सिंह तथा संध्या विश्वकर्मा।

वक्ताओं ने अपने वक्तव्य में इस घिनौनी घटना की भर्त्सना की और कहा कि यह अपने आप में ही बहुत शर्मनाक है कि यह अपराध गाँव की एक कबीलाई पंचायत के आदेश पर हुआ है। क्योंकि वह असहाय महिला दूसरे किसी समुदाय के एक पुरुष से विवाह करना चाहती थी, इसी जुर्म में पंचायत ने उस पर 50,000 रुपये का जुर्माना लाद दिया, जिसके न दिए जाने के जुर्म में पंचायत के सदस्यों ने उस पर बलात्कार का आदेश दे डाला।

ए.आई.एम.एस.एस. न केवल पंचायत द्वारा बलात्कार करने के घिनौने आदेश की भर्त्सना करता है बल्कि युवक-युवतियों के अपना जीवन साथी चुनने के अधिकार के हनन जैसे पंचायत के गैर-संवैधानिक तरीके का भी घोर विरोध करता है। ए.आई.एम.एस.एस. की दिल्ली राज्य कमेटी पश्चिम बंगाल सरकार से अपराधियों को सख्त से सख्त सजा देने की माँग करती है ताकि ऐसे अपराध भविष्य में न दोहराए जाएँ।

ध्रवा (झारखण्ड): पश्चिम बंगाल के वीरभूम जिले के लाभपुर गाँव की आदिवासी लड़की के साथ गाँव के पंचायत के आदेश से मुखिया सहित 13 लोगों द्वारा किए गए सामूहिक बलात्कार के खिलाफ 25 जनवरी को फिरायलाल चौक में एआईडीएसओ, एआईएमएसएस और एआईडीवाईओ के संयुक्त बैनर तले पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बैनरजी का पुतला जलाया गया।

दिल्ली में बंग भवन पर विरोध प्रदर्शन करती हुई ऑल इण्डिया महिला सांस्कृतिक संगठन की कार्यकर्ता

कार्यक्रम के दौरान एआईएमएसएस की राज्य सचिव केया डे ने कहा कि पश्चिम बंगाल में सामूहिक बलात्कार की घटी इस घटना ने पूरे देश में निराशा और क्रोध की लहर पैदा कर दी है। पश्चिम बंगाल में ही कुछ दिनों के अंतराल में बलात्कार की यह तीसरी घटना घटी है। लेकिन मुख्यमंत्री ममता बैनर्जी एक महिला होने के बावजूद भी इन लगातार बढ़ रही जघन्य घटनाओं पर चुप्पी साधे हुई हैं और राज्य में महिलाओं पर हो रहे अत्याचार पर रोक लगाने हेतु कोई भी ठोस कदम नहीं उठा रही हैं। सिर्फ दूसरी जाति के लड़के से प्यार करने की सजा के तौर पर गाँव की पंचायत द्वारा इस प्रकार का घिनौना फैसला यह साबित कर रहा है कि आज हमारी सभ्यता कितने पतन की ओर जा रही है। उन्होंने कहा कि देश हर क्षेत्र में शराब की दुकानें एक के बाद एक खुलने, देश में असामाजिक तत्वों को राजनीतिज्ञों का संरक्षण देने, और न्यायालय में अपराधियों के मुकदमों को वर्षों तक लटकाये रखने की घटनाएं लगातार बढ़ती जा रही हैं। साथ ही बिना किसी डर के देश के असामाजिक तत्वों द्वारा हर रोज हत्या और बलात्कार जैसी अमानवीय घटनाओं को अंजाम देने के बाद भी खुलेआम घूमने के कारण पूरे देश में लड़कियों के मन में डर समाया हुआ है। स्कूल-कॉलेजों के साथ-साथ हर क्षेत्र में लड़कियाँ अपने को असुरक्षित महसूस करने लगी हैं। लेकिन आश्चर्य की बात यह है कि इतना सब कुछ होने के बावजूद केन्द्र और राज्य की सरकों इन बढ़ते अपराधों के समाधान हेतू कोई ठोस कदम नहीं उठा रही हैं। हम मांग करते हैं कि पश्चिम बंगाल में सामूहिक बलात्कार की हुई इस घटना के दोषियों को उदाहरणमूलक सजा दी जाए और पूरे देश में केन्द्र और राज्य सरकारें महिलाओं की सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम करे और देश में बढ़ रहे इस प्रकार के अपराधों की रोकथाम के लिए ठोस कदम उठाए साथ ही हम देश की समस्त छात्राओं और महिलाओं से यह आह्वान करते हैं कि वे इस तरह के बढ़ते अपराधों के खिलाफ हर क्षेत्र में जनसंगठन का निर्माण करें और एकजुट होकर संयुक्त रूप से विरोध करें।

वाह! क्या सैलाब.

(पृष्ठ 1 का शेष)

सरकारी कर्ज

गुजरात का सरकारी कर्ज 124580 करोड़ रुपए को पार कर गया है जिसका मायने है राज्य के हर बाशिंदे पर 24704 रुपये कर्ज का भार है।

मानव विकास

'इण्डियन स्टेट हंगर इण्डेक्स 2008' के मुताबिक गुजरात 17 बड़े राज्यों में भयावह रूप से 13वें स्थान पर है। तीन महत्वपूर्ण सामाजिक मानकों मसलन जन्म पर जीवन प्रत्याशंका (लाइफ एक्स्पेक्टेशन एट बर्थ 'एलईबी') स्कूलिंग के औसत वर्ष (मीन इयर्स ऑफ स्कूलिंग 'एमवाईएस') और स्कूल जीवन प्रत्याशंका (स्कूल लाइफ एक्स्पेक्टेंसी 'एसएलई' पर गुजरात कुछ अन्य राज्यों से बहुत पीछे है।

बढ़ती गरीबी

गत 12 वर्षों में गाँवों में गरीब परिवारों की संख्या 39.06% प्रतिशत बढ़ गई है। अप्रैल 2000 में गरीबी रेखा से नीचे (बीपीएल) परिवारों की संख्या गाँवों में 23.29 लाख थी। 'डायनेमिक लिस्ट' जिसे राज्य ग्रामीण विकास कमिश्नर का दफ्तर लगातार अपडेट करता है, के अनुसार यह संख्या 26 जून 2012 में बढ़कर 30.49 लाख हो गई।

गरीबों के साथ क्रूर मजाक

गुजरात के खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति विभाग की आपूर्ति शाखा के 16 दिसम्बर 2013 को जारी एक पत्र में कहा गया कि हर महीने गाँवों में 324 रुपये और शहरों में 510 रुपये से कम कमाने वाला ही बीपीएल सूची में माना जाएगा। यानी गाँवों में रोजाना 10 रुपये 80 पैसे और शहरों में 16 रुपये 80 पैसे या उससे कम कमाने वाले ही गरीब हैं। योजना आयोग के मुताबिक शहरों में 32 रुपये और गाँवों में 26 रुपये रोज कमाने वाले गरीब नहीं हैं। इस मानदण्ड के मुताबिक भी गुजरात में सिर्फ 21 लाख बीपीएल परिवार हैं। लेकिन गुजरात सरकार के नये मानदण्ड के मुताबिक सिर्फ 11 लाख बीपीएल परिवार हैं। यानी आंकड़ों की बाजीगरी से एक ही झटके में 10 लाख लोगों को गरीबी रेखा से ऊपर पहुँचा दिया है। ये है 'खुशहाल' गुजरात का नजारा जिसके बारे में इतना हो-हल्ला मचाया जा रहा है।

भूख और कुपोषण

राज्य में हर तीसरा बच्चा कमवजनी है। दूसरे शब्दों में, गुजरात में 33% बच्चे कुपोषण का शिकार हैं, भूख और कुपोषण लगभग पर्यायवाची हैं। वाणिज्य केन्द्र, अहमदाबाद जिले में 85000 कुपोषित या नितांत कुपोषित बच्चे हैं, जो राज्य में सबसे ज्यादा हैं। 5 सबसे भूखे राज्यों में से गुजरात भी एक है।

भूमि हड़पना और किसानों को उजाड़ना

मानसा जिले के हंसालपुर गाँव को दो भारी प्रोजेक्ट अपने आगोश में ले लेंगे। हंसालपुर गाँव के नजदीक जमीन पर खड़े हतप्रभ दिख रहे सरतानभाई भारखाड़ हाजी भाई ने कहा, ''मेरे पूर्वज यह जमीन जोतते थे। यह बहुत उपजाऊ और चरागाह के लिए बहुत अच्छी है। क्यों उन्होंने इसे परती जमीन घोषित कर दिया? देखिए ये कितनी हरी-भरी है। यदि वे इसे हमसे छीन लेंगे तो हम अपने पूरे जीवन यापन के साधन से वंचित हो जाएंगे और मैं नहीं जानता कि और क्या करूँ। हमें कोई मुआवजा भी नहीं मिलेगा क्योंकि हम जमीन के मालिक नहीं हैं। हालांकि हम किराया देते रहे हैं, इसलिए हमें भी पुनर्वास योजना में शामिल किया जाना चाहिए। हम मालदारिस भूमिहीन लोग हैं जिसका मतलब है हमें कोई महत्व नहीं देता है।'' हजारों संदेहविहीन ग्रामवासी जिन्हें जल्द ही इन प्रोजेक्टों की वजह से बेदखल कर दिया जाएगा, जानते थे कि हंसालपुर गाँव के नजदीक बेचार्जी क्षेत्र में जमीन का बड़ा रकबा मारूति ऑटोमोबाइल प्लाण्ट के लिए दिया गया था लेकिन जमीन अधिकार आन्दोलन के सागर रबारी को इण्टरनेट खंगालते वक्त अचानक एक तथ्य का पता चला जिसे उनकी जानकारी में लाया गया कि मण्डल-बेचार्जी स्पेशल इंवेस्टमेण्ट रीजन (एमबीएसआईआर) एक बहुत ही बड़ा प्रोजेक्ट है। 50,884 हैक्टेयर से अधिक में फैला एमबीएसआईआर मेहसाणा जिले में 44 गाँवों और लगभग 7600 परिवारों को प्रभावित करेगा।

आत्म हत्या के मामले

मोदी के 'खुशहाल' गुजरात में बीते दस सालों में 37248 लोगों ने आत्महत्या की थी। इनमें से 21783 पुरुष और 15423 महिलाओं का होना सिद्ध करता है कि दोनों ही समान रूप से उत्पीड़ित थे। इनमें से 7062 किसान थे जिनका 80% 40 वर्ष की आयु से नीचे था। पिछले तीन सालों में गुजरात मे स्तम्भित कर देने वाली 13,655 आत्महत्याएं हुई हैं–औसतन एक दिन में 12 मौतें।

भ्रष्टाचार और अपराध शिखर पर

नरेन्द्र मोदी सरकार के एक वरिष्ठ मंत्री, जल संसाधन और कृषि मंत्री बाबू बोकारिया को 2006 के 54 करोड़ रुपए के अवैध लाइमस्टोन खनन मामले में पोरबन्दर की एक अदालत द्वारा तीन साल के कारावास की सजा सुनाई गई थी। लेकिन वे मंत्री पद पर बने रहे। राज्य मंत्री पुरुषोत्तम सोलंकी पर जब वे पिछली मोदी सरकार में राज्य मछली पालन मंत्री थे, टेण्डर की प्रक्रिया पूरी किए बिना 58 जलाशयों में मछली पकड़ने का ठेका देने पर भ्रष्टाचार के आरोप लगे थे। मायाबेन कोडनानी जिन पर 2002 नरसंहार के दौरान अपने चुनाव क्षेत्र नरोदा पाटिया में अपनी देखरेख में महिलाओं और बच्चों की जघन्य हत्याएं और व्यापक बलात्कार करवाने के आरोप लगे हैं। उन्हें ही महिला और बाल विकास मंत्री बना दिया गया। बीजेपी के 32 विधायकों पर अपराधिक मुकदमें दर्ज हैं।

महिलाओं पर अपराध

बलात्कार की घटनाएं 7.7% बढ़ गई हैं। महिलाओं पर होने वाले अन्य अपराधों में भी इजाफा हुआ है। पतियों और ससुराल वालों की क्रूरता में 10% की बढ़ोतरी हुई है और महिलाओं पर हमलों में 8.8% का इजाफा हुआ है। 2012 में कुल मिलाकर 9561 मामले राज्य में दर्ज हुए हैं।

अपना अड्डा द्वारा 'बलात्कार और मैं' नामक फोरम में अहमदाबाद की विभिन्न युनिवर्सिटियों की छात्राओं ने बताया कि वे रात में अकेले या सिर्फ लड़कियों के साथ बाहर जाने में जब सहज महसूस नहीं करती है। उनमें से एक ने कहा कि उसने गुजरात में इतनी यौन प्रताड़ना का सामना किया है कि वह अब लड़कियों को सैल्फ डिफेन्स की क्लासें लेने की सलाह दे रही है। इस फोरम में अभिभावकों ने–इनमें से अनेक जो अहमदाबाद में ही जन्में और पले-बढ़े–कहा कि गुजरात हमेशा से ऐसा नहीं था और यह निरन्तर बदतर होता जा रहा है।

12 सालों के दौरान गुजरात के 12 जिलों से महिलाओं के खिलाफ हिंसा के 50,000 मामले दर्ज किए गए हैं। इस दौरान इन जिलों में 640 दहेज हत्याएं और 1443 बलात्कार मामले, चार्ट के शीर्ष पर भयावह 14998 मामले पति और ससुराल वालों की क्रूरता के हैं, 7894 महिलाओं ने आत्महत्या की और 3006 महिलाओं को अगुआ किया गया।

नागरिक सुविधाएं

ग्रामीण आवासों के हर पाँच में एक में इन तीन मूलभूत सुविधाओं जैसे पीने का पानी, बिजली और सेनिटेशन में से कोई भी उपलब्ध नहीं है। जबकि सिर्फ लगभग 18% में ये तीनों उपलब्ध हैं। राज्य में लगभग 52 घरों में कोई शौचालय नहीं है। 64 लाख से ज्यादा घरों में गंदे पानी की निकासी की सुविधा नहीं है और 49 लाख लोगों को खुले में शौच जाना पड़ता है। हाल के एक सर्वे से पता चला है कि अहमदाबाद नगर निगम के तत्वावधान में 1993 के कानून का उल्लंघन करते हुए, जिसमें मैला ढोने के लिए आदमियों को नियुक्त करने पर सजा का प्रावधान है। 126 जगहों पर सिर पर मैला ढोने का काम लिया जा रहा है।

उत्पीड़ित अल्पसंख्यकों और धर्मनिरपेक्ष लोगों की दुर्दशा और असुरक्षा

गुजराती मुसलमान अक्सर यह कहने से डरते हैं कि वे असल में गुजरात या नरेन्द्र मोदी के बारे में क्या सोचते हैं। गुजरात में बहुतों के लिए नरेन्द्र मोदी 'भगवान' बन गए हैं–गुजरात में सभी मुसलमानों को इसका सामना करना पड़ता है तब ऐसे में क्यों मोदी या गुजरात में जीवन की आलोचना करके एक मुसलमान और भी अलग-थलग पड़ जाए? गुलबर्गा हाऊसिंग सोसाइटी और नरोदा पाटिया नरसंहार (जो 28 फरवरी 2002 को हुआ। 2002 नरसंहार के दौरान लगभग 5000 लोगों की भीड़ द्वारा 97 मुसलमानों का कत्ल किया गया जिसे कथित रूप से बीजेपी और बजरंग दल ने शुरू किया था। 2002 के नरसंहार के दौरान इसे 'जनसंहार का सबसे बड़ा एक मामला' कहा गया है।) के जिन्दा बचे लोगों के लिए लगभग 200 घरों की एक कालोनी सिद्दिकाबाद को जुहापुरा में मुख्य सड़क के पीछे दंगा पीड़ितों को अस्थाई तौर पर बसाने के लिए बनाया गया था। लेकिन उसके बाद दस साल बीत गए और वहाँ के निवासी इन वायदों से आजिज आ चुके हैं कि उन्हें नियमित बिजली, एक गटर लाइन या नजदीक में स्कूल की सुविधा प्रदान की जाएगी।

नारोल (बॉम्बे होटल) नरोदा पाटिया नरसंहार के जिन्दा बचे लोग जिन घरों में रहते हैं वे एक बड़े खत्ते (ट्रेश डम्प) के बगल में हैं और एक मुस्लिम बिल्डर ने बताया कि 2002 के दंगों के बाद कोई भी अन्य उसे जमीन बेचना नहीं चाहता है। हर साल बरसात के दौरान खत्ते से पानी लोगों के घरों में घुस जाता है। परिणामस्वरूप नरोदा में बच्चे विकलांगता लेकर बड़े हो रहे हैं। लगभग 12 साल के एक किशोर बाशिंदे ने साक्षात्कार करने वाले को बताया कि ''हाँ हम हर समय यहाँ लाशें देखते हैं।'' दिल्ली से एक आईआईएम रिसर्च एसोसिएट निदा यामिन को हाल ही में मकान देने से मना कर दिया गया क्योंकि वह एक मुस्लिम है। कुछ महीनों बाद उसने अहमदाबाद छोड़ दिया। उसने आरोप लगाया कि 'यह जगह हमारे लिए नहीं है।'

एक 24 वर्षीय अहमदाबादी महिला जिसे 1992 और 2002 के दंगों में विस्थापित कर दिया गया था, अभी भी गुजरात में रहने की उम्मीद रखती है जहाँ उसे लोग मुस्लिम पहले के रूप में हमेशा न देखा जाये।

किरन अंकल धर्मनिरपेक्षता की अथक वकालत करने वाले जो हिन्दु और मुस्लिम दोनों के लिए लड़े। 2002 दंगों के बाद मुस्लिमों के लिए इतनी जोरदार ढंग से आवाज उठाने की वजह से साम्प्रदायिकता के चलते उसके परिवार ने उनको जाति बाहर कर दिया।

अहमदाबाद में एक रेस्टोरेण्ट के मालिक हिमांशु अंकल बताते हैं कि हर रोज उनके रेस्टोरेण्ट में कोई न कोई आता है और आमिष भोजन परोसने तथा एक बुरा ब्राह्मण होने के लिए उनकी आलोचना करता है। वे कहते हैं कि 'हम उनसे श्रेष्ठ हैं'–गुजरातियों के इस नजरिए से वे आजिज आ चुके हैं। वे बताते हैं यह वह गुजरात नहीं है जो उन्होंने अपने बचपन में देखा था। तब यह ज्यादा सहिष्णु था।

अगर गरीब का नहीं तब गुजरात में किसके विकास का सैलाब आया? यह चंद कारपोरेट घरानों का विकास है, मुट्ठी भर सरमायादारों की खुशहाली है। ●●●

देश भर में सम्मानपूर्वक मनाई गई नेताजी सुभाष चन्द्र बोस जयन्ती

दिल्ली

गुलाबी बाग : एआईएमएसएस, एआईडीवाईओ व एआईडीएसओ की स्थानीय इकाई द्वारा किशनगंज क्षेत्र के चन्द्रशेखर आजाद पार्क में 25 जनवरी को नेताजी जयन्ती पूरी गरिमा के साथ मनाई गई। कार्यक्रम की शुरूआत नेताजी की तसवीर पर माल्यार्पण के साथ हुई। एसयूसीआई(सी) के दिल्ली राज्य सांगठनिक कमेटी के सचिवमण्डल सदस्य कॉ. प्राण शर्मा सभा के मुख्य वक्ता थे। उन्होंने नेताजी के जीवन-संघर्षों व महान चरित्र की विस्तृत व्याख्या करते हुए उनसे सीख लेने तथा वर्तमान में जीवन के हर पहलू में व्याप्त समस्याओं के खिलाफ संगठित जन आन्दोलन तैयार करने की अपील की। सभा को एआईएमएसएस की दिल्ली राज्य सचिव कॉ ऋतु काशिक ने भी सम्बोधित किया। सभा संचालन एआईडीएसओ के दिल्ली राज्य सचिव कॉ. प्रशान्त कुमार ने किया। एसयूसीआई(सी) के दिल्ली राज्य सांगठनिक कमेटी सचिव कॉ. प्रताप सामल व स्थानीय विधायक सोमदत्त शर्मा मुख्य अतिथि के तौर पर उपस्थित थे। सभा को एआईडीवाईओ के स्थानीय इंचार्ज कॉ अमरजीत व एआईडीएसओ की स्थानीय अध्यक्षा कॉ. मौसम कुमारी ने भी सम्बोधित किया।

राजस्थान

जयपुर में नेताजी जयंती पर 23 जनवरी को नेताजी स्मृति सभा की गई। सभा को राजमल शर्मा ने सम्बोधित किया।

फलोदी : 23 जनवरी को आजादी आन्दोलन के महान सेनानी व आजाद हिन्द फौज के नायक नेताजी सुभाषचन्द्र बोस की जयन्ती के अवसर पर छात्र संगठन ऑल इण्डिया डी.एस.ओ. फलोदी के तत्वावधान में दीनदयाल उद्यान (नगरपालिका पार्क) फलोदी में विचार गोष्ठी का आयोजन किया गया।

सर्वप्रथम नेताजी सुभाषचन्द्र बोस की तस्वीर पर माल्यार्पण किया गया। जयन्ती समारोह में फलोदी के मुख्य चौराहे पर नेताजी सुभाषचन्द्र बोस की मूर्ति लगाए जाने की मांग की। शहीद मनीषी यादगार कमेटी के छजूराम रावत, जसराज कुमावत, एडवोकेट गोरधन जयपाल, समस्दीन मंगलिया, रामनिवास गायणा, नटवरलाल, कमलेश नाहैलिया, आयुष ढाका ने सम्बोधित किया तथा संचालन संगठन की संयोजिका संगीता रावत ने किया।

हरियाणा

रेवाड़ी : छात्र संगठन डीएसओ, युवा संगठन डीवाईओ की ओर से यहाँ के भाड़ावास चौक स्थित नेताजी सुभाष पार्क में प्रदर्शनी का शुभारम्भ एसयूसीआई(कम्युनिस्ट)पार्टी के जिला सचिव कॉमरेड राजेन्द्र सिंह ने किया। वक्ताओं ने नेताजी के चित्र पर पुष्प अर्पित करके उन्हें श्रद्धासुमन अर्पित किए। कॉमरेड राजेन्द्र सिंह ने कहा कि युवा वर्ग को नेताजी के सपनों को साकार करना होगा।

सोनीपत : नेताजी सुभाषचन्द्र बोस की जयंती के उपलक्ष्य में नौजवान भारत सभा और ऑल इण्डिया डेमोक्रेटिक यूथ आर्गेनाइजेशन की ओर से सारंग रोड स्थित कुम्हार धर्मशाला में यादगार सभा का आयोजन किया गया।

क्रान्तिकारी रांगनियों के साथ कार्यक्रम का शुभारम्भ हुआ। नौजवान भारत सभा के संयोजक पंकज त्यागी ने कहा कि नेताजी सुभाषचंद्र बोस आजादी के महान योद्धा हैं। उन्होंने देश की आजादी के लिए अपना बलिदान दे दिया, लेकिन उन्होंने आजादी का जो सपना देखा था व आज भी पूरा नहीं हुआ है। उनके सानों को साकार करने के लिए युवाओं को आगे आना होगा। आर्गेनाइजेशन के जिला प्रधान देवन्द्र सिंह ने नेताजी की गैर समझौतावादी धारा के तहत उनके संघर्ष पर प्रकाश डाला। जिला सचिव ईश्वर राठी ने कहा कि नेताजी ने अन्याय के सामने झुकना नहीं सीखा था। अनिल कुमार ने भी सभा को सम्बोधित किया। वहीं, गांव नाहरी में भी आर्गेनाइजेशन की ओर से भगत सिंह मैमोरियल स्कूल में यादगार समारोह आयोजित किया गया। मुख्याध्यक संजय ने नेताजी की जीवनी पर प्रकाश डाला। स्कूली बच्चों ने क्रान्तिकारी गीत-कविताएं सुनाकर कार्यक्रम को क्रान्तिकारी बना दिया। संगठन के जिला सचिव प्रवीन नाहरा ने कहा कि नेताजी का पूरा जीवन संघर्ष से भरा हुआ था और हमें उनके जीवन से सीख लेनी चाहिए।

तोशाम : छात्र संगठन डीएसओ और युवा संगठन डीवाईओ की तरफ से तोशाम के पंचायत भवन में सुभाषचन्द्र बोस की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित किए गये। उपस्थित जनों को सम्बोधित करते ऑल इण्डिया यूटीयूसी के राज्य कमेटी सदस्य कामरेड रामफल ने नेताजी के जीवन पर प्रकाश डाला और छात्र-युवाओं को उनके जीवन-संघर्ष से सीख लेकर वर्तमान में शोषण-अन्याय के खिलाफ चल रहे संघर्ष में आगे आने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि देश के आजादी आन्दोलन में नेताजी जैसे क्रान्तिकारियों और अवाम के बलिदानों का सारा फल देश के सरमायादारों ने हड़प लिया। देश औपनिवेशिक शासन-शोषण के जुए से आजाद होने पर भी हर तरह के शोषण-जुल्म से मुक्ति का नेताजी का सपना आज भी अधूरा है जिसे पूरा करने की जिम्मेदारी वर्तमान पीढ़ी की है। सभा की अध्यक्षता मास्टर राजकुमार ने की। इस अवसर पर बस्तीराम, रोहताश आदि ने भी नेताजी के जीवन पर प्रकाश डाला। कामरेड उम्मेद सिंह नम्बरदार ने रागिनी और डीएसओ के अजय सैनी ने कविता सुनाई।

भिवानी : स्थानीय दक्ष पब्लिक स्कूल में नेताजी सुभाषचन्द्र बोस को याद किया गया। उनकी जयन्ती पर छात्रों और शिक्षकों ने नेताजी की तसवीर पर श्रद्धा सुमन अर्पित किये। सभा को ऑल इण्डिया डीएसओ के भिवानी सचिव पवन जांगड़ा और एसयूसीआई (सी) के जिला सचिव कामरेड रामफल ने नेताजी सुभाष के जीवन-संघर्ष और चरित्र के कई अहम पहलुओं पर रोशनी डाली।

झज्जर : नेताजी सुभाषचन्द्र बोस की 117वीं जयन्ती पर विभिन्न संगठनों ने उन्हें श्रद्धा के साथ याद किया। डी.वाई.ओ. के सदस्यों ने कॉमरेड ओमबीर के नेतृत्व में नेताजी की प्रतिमा की साफ-सफाई की और माल्यार्पण किया। ओमवीर ने कहा कि नेताजी साम्राज्यवाद के कट्टर विरोधी थे और अंग्रेजों की औपनिवेशिक गुलामी से देश को आजाद कराने के लिए बहादुरी से लड़ते रहे।

उत्तर प्रदेश

अकबरपुर (कानपुर देहात) : जन-प्रतिरोध आन्दोलन समिति, उ.प्र. की कानपुर देहात इकाई द्वारा 23 जनवरी 2014 को गैर समझौतावादी धारा के प्रतिनिधि नेताजी सुभाष चन्द्र बोस की 117वीं जोश एवं उत्साह से मनाई गई। सुभाष क्रान्ति पथ विद्यालय, अकबरपुर एवं डेरापुर के छात्र-छात्राओं, शिक्षक-शिक्षिकाओं एवं गणमान्य नागरिकों ने मिलकर कानपुर देहात जिले के मुख्यालय स्थित अकबरपुर कस्बे में प्रभात फेरी निकाली। तत्पश्चात् उसी विद्यालय में एक सभा हुई। सभा में छात्र-छात्राओं द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए। सभा की अध्यक्षता समाजसेवी एवं सेवानिवृत्त शिक्षक श्री राम कृष्ण अवस्थी ने की तथा संचालन डॉ. राम गोविन्द यादव ने किया। सभा को मुख्य वक्ता के रूप में एसयूसीआई(सी) के उ.प्र. के राज्य कमेटी सदस्य कॉ. वालेन्दर कटियार ने सम्बोधित किया। उन्होंने नेताजी सुभाषचन्द्र बोस के जीवन-संघर्ष पर विस्तर से चर्चा की।

जन-प्रतिरोध आन्दोलन समिति के राज्य कमेटी सदस्य श्री वृजेश सिंह कटियार, कानपुर जिला सचिव श्री अरविन्द अवस्थी, सुभाष क्रान्ति पथ विद्यालय के

(शेष पृष्ठ 4 पर)

नेताजी जयंती ...

(पृष्ठ 3 का शेष)

प्रधानाचार्य श्री जहान सिंह, डेरापुर विद्यालय के प्रध ानाचार्य श्री श्याम सुन्दर यादव, गणमान्य नागरिक श्री बबलू कटियार, एआईडीएसओ के श्री उमेश यादव, एआईएमएसएस की डॉ. सीता सिंह, वर्तिका ओमर, ईशाक अली आदि ने भी सभा को सम्बोधित किया। सभा की समाप्ति पर जनप्रतिरोध आन्दोलन समिति, कानपुर, देहात की एक 16 सदस्यीय जिला संयोजन समिति की घोषणा की गई।

जौनपुर : 23 जनवरी को नेताजी सुभाषचन्द्र बोस की 117वीं जयन्ती पर छात्र संगठन एआईडीएसओ द्वारा 22 से 29 जनवरी तक 'छात्र अधिकार बचाओ सप्ताह कार्यक्रम के अन्तर्गत जिला भर में विभिन्न जगहों पर कई कार्यक्रम आयोजित किए गए। 22 जनरवरी को नेताजी की जयन्ती की पूर्वसंध्या पर दुर्गादास सराय गाँव में एक सभा व माल्यार्पण का कार्यक्रम आयोजित हुआ, जिसमें छात्र-छात्राओं के अतिरिक्त गाँव वालों ने भी भाग लिया।

23 जनवरी को रतासी चौराहा पर माल्यार्पण व आम सभा और बरैया गाँव में गोष्ठी का आयोजन किया गया। उसी दिन टी.डी. कॉलेज के मख्यद्वार पर फोटो माल्यार्पण, बैज धारण और फोटो-कथन प्रदर्शनी भी लगाई गई। 24 जनवरी को टी.डी. कॉलेज के बलरामपुर हाल में छात्र सभा और पहितियापुर गाँव में गोष्ठी आयोजित की गई। 25 जनवरी को प्रभुनाथ इण्टर कॉलेज मल्लूपुर के प्रांगण में छात्र सभा व माल्यार्पण किया गया। 28 जनवरी को मल्लूपुर गाँव में माल्यार्पण व आम सभा का आयोजन किया गया जिसमें छात्र-नौजवान व महिलाओं ने हिस्सा लिया। सभी कार्यक्रमों में क्रान्तिकारी गीतों की प्रस्तुति की गई।

29 जनवरी को टी.डी. कॉलेज के छात्रों द्वारा एआईडीएसओ के बैनर तले जिलाधिकारी महोदय को छात्रवृत्ति सम्बन्धी धांधली और छात्रवृत्ति फार्म निरस्त किए जाने की समस्या को लेकर ज्ञापन सौंपा गया। जिलाधिकारी ने छात्रों को आश्वस्त किया कि दो दिन के अन्दर जाँच कर उचित कार्रवाई की जाएगी। समस्या हल न होने तक छात्र-आन्दोलन और भी आगे बढ़ेगा।

सुल्तानपुर : 25 जनवरी 2014 को नेताजी सुभाषचन्द्र बोस की 117वीं जयन्ती समारोह विकास भवन सुल्तानपुर के सामने तिकोनिया पार्क में आयोजित हुआ। कार्यक्रम के शुरू में माल्यार्पण व क्रान्तिकारी गीतों की प्रस्तुति की गई। कार्यक्रम की अध्यक्षता श्री दिवाकर पाण्डेय और संचालन एआईडीवाईओ के राज्य कोषाध्यक्ष कॉ. प्रमोद कुमार शुक्ल ने किया। मुख्य वक्ता कॉ. मिथिलेश मौर्य ने कहा कि नेताजी का सपना आज भी अधूरा है। जिसके लिए छात्र-युवाओं को स्वच्छ, क्रान्तिकारी राजनीति में बढ़-चढ़ कर हिस्सा लेने की जरूरत है। हर तरह के अन्याय-अत्याचार के खिलाफ उठ खड़े होने के लिए संगठित होने की जरूरत है। छात्र सूरज सिंह ने एक कविता सुनाई। सभा में प्रियांशुल शुक्ल, महेन्द्र उपाध्याय, सतीशचन्द्र, सूर्यकान्त तिवारी आदि लोगों ने अपनी बात रखी। अन्त में गगनभेदी नारों से सभा का समापन हुआ।

प्रतापगढ़ : नेताजी सुभाषचन्द्र बोस की 117वीं जयन्ती पर एआईडीएसओ के द्वारा 28 जनवरी को पृथ्वीराज सिंह इण्टर कॉलेज दाउदपुर पट्टी में छात्र-सभा का आयोजन किया गया। सभा के शुरू में फोटो पर माल्यार्पण किया गया। अध्यक्षता प्रधानाध्यापक श्री जे. एन. सिंह व संचालन श्री आर.डी. यादव ने किया। मुख्यवक्ता के तौर पर एआईडीएसओ के राज्य कमेटी उपाध्यक्ष कॉ. मिथिलेश मौर्य ने सम्बोधित किया। सभा

में एआईडीएसओ के जौनपुर जिला अध्यक्ष कॉ. दिलीप कुमार, व एआईडीएसओ के प्रतापगढ़ जिला कमेटी सदस्य कॉ. विश्वकर्मा ने अपने विचार रखे। क्रान्तिकारी गीतों के साथ सभा सम्पन्न हुई।

मुरादाबाद : 23 जनवरी को संगठन की जिला कमेटी के बैनर तले संगठन कार्यालय के सामने आवास विकास बुद्धि विहार में पूरे सम्मान के साथ नेताजी सुभाषचन्द्र बोस जयन्ती मनाई गई। इस अवसर पर आयोजित सभा की अध्यक्षता मुनीश चन्द्र त्यागी तथा संचालन संगठन के जिला उपसचिव मौ. गौरी ने किया। मुख्य वक्ता संगठन के प्रदेश अध्यक्ष कॉ. हरकिशोर सिंह थे। सभा के प्रारम्भ में नेताजी सुभाषचन्द्र बोस के चित्र को नमन करते हुए खण्ड शिक्षा अधिकारी बबिता सिंह ने नेताजी के जीवन पर प्रकाश डाला। पूर्व प्रधानाचार्य कन्या इण्टर कालेज डा. अरूण लता रस्तोगी ने सुभाषचन्द्र बोस के आजादी आन्दोलन में किए गए संघर्ष को विस्तार से रखा। मुख्य वक्ता कॉ. हरकिशोर सिंह ने अपने सम्बोधन में कहा कि गैर समझोतावादी धारा के योद्धा नेताजी सुभाषचन्द्र बोस के जीवन संघर्ष से नौजवानों को शिक्षा लेकर वर्तमान में व्याप्त तमाम समस्याओं के विरुद्ध कठोर संघर्ष चलाना चाहिए।

सभा में लिपि सिंह, अनुश्री त्यागी, अपूर्ण त्यागी, आदित्य, सिद्धि रस्तोगी, सृष्टि यादव, रीना कुमारी ने क्रान्तिकारी गीत प्रस्तुत किए। जाने-माने कवि विकास मुरादाबादी, रघुराज निश्चल, रवि द्विवेदी ने अपनी रचनाओं को माध्यम से संघर्ष का आह्वान किया। सभा को शिशुपाल मधुकर, कमलेश चाहल, मुनीश त्यागी मौ. गौरी आदि ने सम्बोधित किया।

झारखण्ड

राँची : 23 जनवरी को राँची के सेक्टर-2 में स्थित पार्टी कार्यालय के प्रांगण में एआईडीएसओ, एआईएमएसएस और एआईडीवाईओ राँची जिला कमिटी के संयुक्त बैनर तले नेताजी सुभाषचन्द्र बोस जयन्ती मनाई गई।

कार्यक्रम के दौरान सर्वप्रथम नेताजी की फोटो पर माल्यार्पण किया गया। इसके बाद संगीत मण्डली ने गीत गाकर कार्यक्रम की शुरूआत की। कार्यक्रम में कई स्कूल के बच्चों ने भी देशभक्ति गीत गाए। मुख्य वक्ता के तौर पर एआईएमएसएस की राज्य सचिव कामरेड केया डे ने कहा आज देश में मेहनतकश किसान-मजदूरों का शोषण कर मुट्ठी भर पूँजीपति देश पर शासन कर रहे हैं। शिक्षा और चिकित्सा आम जनता की पहुँच से बाहर हो गई है, महंगाई असामान छू रही है, दिन ब दिन भ्रष्टाचार पाँव पसारता जा रहा है। हर रोज अखबारों व समाचारपत्रों में बलात्कार की खबरें सुनने को मिल रही हैं, देश में व्याप्त समस्त समस्याओं से बेखबर रख कर छात्र-छात्राओं व युवाओं में 'खाओ-पियो और मौज करो' की मानसिकता पैदा की जा रही है। उन्होंने कहा कि आज देश को सही आजादी दिलाने की जरूरत है और इस आजादी को पाने के लिए देश के छात्र-छात्राओं व युवाओं को ही आगे आना होगा। इसके लिए यह अत्यन्त ही आवश्यक है कि हम नेताजी सुभाषचन्द्र बोस, भगत सिंह, चन्द्रशेखर आजाद और खुदीराम बोस के आदर्शों को अपनाते हुए उनके दिखाए रास्ते पर चलकर देश में व्याप्त तमाम बुराइयों के खिलाफ आवाज उठाएं और अपनी जिम्मेदारियों को समझते हुए भ्रष्टाचार और हर प्रकार की समस्याओं के विरोध में एक ऐसी लड़ाई की शुरूआत करें जो एक शोषणमुक्त समाज का निर्माण करे।

कार्यक्रम से पहले एक प्रभात फेरी निकाली गई जिसमें विभिन्न स्कूलों के सैकड़ों छात्र-छात्राओं ने भाग लिया। इस अवसर पर एक क्विज प्रतियोगिता भी आयोजित की गई। इसमें विजयी छात्र-छात्राओं को पुरस्कार वितरित किये गये। पुरस्कार वितरण एसयूसीआई(सी) के झारखण्ड राज्य सचिव कॉमरेड

जमशेदपुर : जमशेदपुर के करीम सिटी कॉलेज में नेताजी जयन्ती मनाई गई। आमंत्रित वक्ता थे डॉक्टर ए जकारिया (करीम सिटी कॉलेज प्रिंसीपल), डॉ. याहिया इब्राहिम, ले. कर्नल एम बी नायर (एनटीटीएफ कालेज प्रिंसीपल)। अखिल भारतीय शिक्षा बचाओ कमेटी, झारखण्ड चैप्टर के सचिव सुमित राय मुख्य वक्ता थे। कार्यक्रम का आयोजन लोक सांस्कृतिक चेतना मंच (एसयूसीआई (सी) की सांस्कृतिक विंग) द्वारा किया गया।

छत्तीस गढ़

दुर्ग : आजादी आंदोलन के महान क्रांतिकारी नेताजी सुभाष चन्द्र बोस की 117वीं जयंती 23 जनवरी को ऑल इंडिया डेमोक्रेटिक स्टूडेन्ट्स आर्गेनाइजेशन(ए. आई.डी.एस.ओ.), छ.ग. राज्य की दुर्ग जिला इकाई द्वारा विभिन्न स्कूल-कॉलेजों में पूरे सम्मान के साथ मनाई गई। प्रवीण शर्मा के नेतृत्व में 30 जनवरी को कैलाश नगर में नेताजी सुभाष प्रायमरी स्कूल के छात्र-छात्राओं के द्वारा प्रभात फेरी निकाली गई जो स्कूल से शुरू होकर आदित्य नगर, तितुरडीह, कैलाश नगर सिकोला

(शेष पृष्ठ 7 पर)

बस्ती उजाड़े जाने के खिलाफ रोष प्रदर्शन

राँची (झारखण्ड): राँची के एच ई सी क्षेत्र में बसे कुटे गाँव के हजारों बस्ती वासियों को उजाड़ कर विधान सभा का निर्माण करने की सरकार द्वारा घोषणा किए जाने और इस हेतु उस गाँव में विधान सभा के शिलान्यास के विरोध में दिनाँक 21 जनवरी 2014 को बस्ती बचाओ संघर्ष समिति के बैनरतले जगन्नाथपुर चौक में सैकड़ों बस्तिवासियों को लकर एक विरोध प्रदर्शन का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम का संचालन बस्ती बचाओ संघर्ष समिति के संयोजक विनय कुमार ने किया। एसयूसीआई(सी) के राँची जिला कमेटी के सचिव एवं बस्ती बचाओ संघर्ष समिति के संस्थापक सिद्धेश्वर सिंह ने कहा कि पिछले कई वर्षों से एच ई सी प्रशासन द्वारा एच ई सी क्षेत्र में 50 वर्षों से भी अधिक अवधि से बसे लाखों लोगों को अपने निजी स्वार्थ के उद्देश्य से अतिक्रमण के नाम पर सशस्त्र पुलिस बल व बुल्डोजर के दम पर हटाने की कोशिश की जा रही है। लेकिन लाखों आम बस्तीवासियों की एकता व जुझारू जनान्दोलन के समक्ष हमेशा उन्हें पीछे हटने को बाध्य होना पड़ा है।

हर बार अपने गलत मनसूबों में असफल होने के पश्चात इस बार फिर से विधान सभा के निर्माण के नाम बस्तीवासियों को हटाने की कोशिश की जा रही है। लेकिन एच ई सी क्षेत्र में बसे बस्तीवासी उनके मनसूबों को अच्छी तरह समझते हैं और ये अपने घर बचाने के लिए और मालिकाना हक पाने के लिए अपनी एकता और जनान्दोलन के रास्ते किसी भी हद तक लड़ने को तैयार हैं।

जनजीवन की ज्वलंत समस्याओं के खिलाफ प्रदर्शन, पुतला फूंका

प्रदर्शनकारियों के आगे बात रखते हुए एसयूसीआई(सी) के रेवाड़ी जिला सचिव कॉमरेड राजेन्द्र सिंह

कोसली (हरियाणा): 17 जनवरी एसयूसीआई(सी) के बैनर तले पार्टी के जिला सचिव कॉमरेड रोजनद्र सिंह के नेतृत्व में जनजीवन की ज्वलंत समस्याओं के खिलाफ रामरतन लाल की धर्मशाला में इकट्ठा होकर कोसली कस्बा में प्रदर्शन करके कांग्रेस सरकार का पुतला फूंका। प्रदर्शनकारी मांग कर रहे थे कि सभी किसानों के कर्ज माफ किए जाएं, टोल टैक्स खत्म किया जाए, जबरन भूमि अधिग्रहण बन्द किया जाए, घरेलू बिजली एक रुपए प्रति यूनिट किया जाए। बीपीएल परिवारों को मुफ्त बिजली दी जाए पांच एकड़ तक किसानों को खेती के लिए बिजली मुफ्त दी जाए। सभी सड़कों का निजीकरण बन्द हो।

इस अवसर पर मुख्य रूप से बात रखते हुए एसयूसीआई(सी) के जिला सचिव कॉमरेड राजेन्द्र सिंह ने कहा कि आज हरियाणा की राज्य व केन्द्र में बैठी कांग्रेस सरकार देश व प्रदेश के विकास की बड़ी-बड़ी बातें करती है लेकिन इस महंगाई के दौर में आम लोग का जीना दूभर हो रहा है। न तो कोई नौकरी है, हर जरूरी चीजों के दाम कई-कई गुना बढ़े हुए हैं, शिक्षा एवं स्वास्थ्य को निजी हाथों में सौंप दिया है। सरकार किसानों की उपजाऊ कृषि योग्य भूमि को कोड़ियों के भाव जबरन अधिग्रहण करके बड़ी-बड़ी पूँजीपति कम्पनियों को फायदा पहुँचाने में लगी हुई हैं। आज भयंकर अपराध बढ़ रहे हैं छोटे बच्चों से लेकर बूढ़ी दादी तक सुरक्षित नहीं है। इन सरकारों को केन्द्र की हो या प्रदेश की हो, सिर्फ पूँजीपतियों की फिक्र रहती है। आम लोगों की चिन्ता नहीं है। डीजल, पैट्रोल, रसोई गैस, खाद, बीज के दाम मनमाने ढंग से बढ़ाए जा रहे हैं। इसके खिलाफ जन आन्दोलन ही एक मात्र रास्ता है। इसके लिए आगे आए इनके अलावा कॉमरेड रामकुमार, कर्णसिंह, कप्तान महासिंह और एआईकेकेएमएस के स्थानीय प्रधान जयनारायण ने भी विचार रखे।

रिपोर्ट में खुलासा

अमेरिका में हर पांचवी महिला रेप की शिकार

आधी पीड़िताओं का 18 की उम्र से पहले यौन उत्पीड़न

एजेंसी । वाशिंगटन

अमेरिका में 2.20 करोड़ महिलाएं दुष्कर्म पीड़ित हैं। यानी इस देश में हर पांचवीं महिला के साथ उसके जीवनकाल में कभी न कभी दुष्कर्म हुआ है। दुष्कर्म पीड़ित आधी महिलाएं 18 साल से कम उम्र में ही यौन उत्पीड़न का शिकार हुई हैं। रिपोर्ट में आगे कहा गया है कि यूं तो हर नस्ल की महिलाओं को निशाना बनाया गया है फिर भी कुछ नस्लों की महिलाएं रेप की ज्यादा आसान शिकार हुई हैं। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि जहां 33. 5 प्रतिशत बहुनस्लीय महिलाएं रेप की शिकार हुई हैं, वहीं 15 प्रतिशत हिस्पेनिक, 22 प्रतिशत अश्वेत और 19 प्रतिशत गोरी महिलाओं से हुए रेप की तुलना में अमेरिकी-भारतीय और अलास्का मूल की 27 प्रतिशत महिलाएं रेप की शिकार हुई हैं। दुष्कर्म पीड़ित ज्यादातर महिलाएं अपने ऊपर हमला करने वालों को जानती हैं और दुष्कर्म करने वालों की विशाल बहुसंख्या (जो लगभग 98 प्रतिशत हैं) पुरुष हैं।

ये चौंकाने वाले आंकड़े बुधवार को जारी व्हाइट हाउस की एक रिपोर्ट में सामने आये हैं। करीब 16 लाख पुरुष भी यौन दुष्कर्म के शिकार हुए हैं। 'रेप एंड सेक्सुअल असॉल्ट : अ रिन्यूड कॉल टु एक्शन' नामक इस रिपोर्ट में दुष्कर्म तथा यौन उत्पीड़न से जुड़े तथ्यों का उल्लेख है। साम्राज्यवादी शासक इसका लुत्फ उठा सकते हैं क्योंकि वे इस 'सभ्य' संस्कृति का 'असभ्य' देशों में बन्दूक की नोक पर भी निर्यात कर रहे हैं। (सूत्र : टाइम्स ऑफ इण्डिया 24.1.2014)

आईटीआई में सेमेस्टर प्रणाली लागू करने के खिलाफ प्रदर्शन

दुर्ग (छत्तीसगढ़) : 22 जनवरी को ऑल इण्डिया डीएसओ की राज्य सांगठनिक समिति द्वारा साइन्स कॉलेज के मेन गेट के सामने बी.ए., बी.एससी, बी.कॉम., के सामान्य कोर्सों में आगामी सत्र से सेमेस्टर प्रणाली लागू करने के खिलाफ व शिक्षा की अन्य मांगों को लेकर प्रदर्शन कर अपर कलेक्टर श्री सुनील जैन को ज्ञापन सौंपा गया और प्रतिलिपी छत्तीसगढ़ राज्य के माननीय राज्यपाल, पं रविशंकर विश्वविद्यालय, रायपुर के माननीय कुलपति महोदय के नाम प्रेषित किया गया।

जन विक्षोभ सभा सम्पन्न

सभा को सम्बोधित करते एस.यू.सी.आई.(कम्युनिस्ट) के प्रदेश सचिव कामरेड वी.एन. सिंह

प्रतापगढ़ (उ.प्र.) : जन कल्याण संघर्ष समिति, उ.प्र. के बैनर तले जन विक्षोभ सभा सम्पन्न हुई। उक्त विक्षोभ सभा 26 वर्षीय रंजीत मौर्य की हत्या कर दिये जाने के विरोध में 20 जनवरी को आयोजित की गयी। 16 दिसम्बर 2013 को रंजीत मौर्य की हत्या के मामले में पुलिस हत्यारों को गिरफ्तार करने के बजाय शासन की शह पर अपराधियों को बचाने में लगी हुई है। इसके विरोध में क्षेत्र में रोष व्याप्त है एवं हत्यारों को गिरफ्तार करने की जनता की मांग को लेकर जन कल्याण संघर्ष समिति की ओर से 20 जनवरी को घटनास्थल हरीपुर पट्टी प्रतापगढ़ में विशाल जन विक्षोभ सभा की गई।

सभा को सम्बोधित करते हुए एस.यू.सी.आई. (कम्युनिस्ट) के राज्य सचिव कामरेड वी.एन. सिंह ने कहा कि आम शोषित-पीड़ित जनता समाज में बढ़ रहे अपराध, लूट, हत्या की घटनाओं से त्रस्त है और घोर असुरक्षित महसूस कर रही है। उन्होंने जनता की सुरक्षा के विषय में पुलिस-प्रशासन के उदासीन रवैये की कड़ी निन्दा करते हुए लोगों से संगठित होकर हर स्तर पर अपनी लड़ाई लड़ने का आह्वान किया। ए.आई.के.के.एम.एस. के प्रान्तीय अध्यक्ष कामरेड बेचन अली ने कहा कि सभी चुनावी पार्टियां अपने राजनैतिक स्वार्थ में अपराधियों व असामाजिक तत्वों को संरक्षण दे रही हैं। इससे समाज में अपराध को बढ़ावा मिल रहा है। हरीपुर के रंजीत मौर्य हत्याकाण्ड में यह बात अक्षरशः साबित होती है। डी.वाई.ओ. के राज्य सचिव कॉ. रवि शंकर मौर्य, जन कल्याण संघर्ष समिति के संयोजक कॉ राजमणि विश्वकर्मा एवं क्षेत्रीय सामाजिक कार्यकर्ता मुन्ना सिंह व रामसमुझ मौर्य ने भी सभा को सम्बोधित किया।

सभा के अन्त में पुलिस-प्रशासन की निन्दा में एक प्रस्ताव पास किया गया और मांग की गयी कि हत्यारों को अतिशीघ्र गिरफ्तार करके पीड़ित पक्ष को न्याय दिलाया जाय। सभा अध्यक्ष बद्रीप्रसाद मौर्य ने 'हत्यारों को फांसी दो' का नारा लगाते हुए सभा का समापन किया। सभा का संचालन कामरेड पुष्पेन्द्र ने किया।

महिलाओं ने दिया धरना

मुजफ्फरपुर (बिहार) : मड़वन प्रखंड के महमदपुर सूबे गांव की एक किशोरी के साथ हुए बलात्कार के विरोध में 10 जनवरी को गांव की आधा दर्जन महिलाएं समहरणालय पहुंची थीं। यह बात गांव के मुखिया के पुत्रों को रास नहीं आयी। मुखिया के पुत्रों ने यौन अपराधों के खिलाफ धरना दे रही महिलाओं के परिजनों की जमकर पिटाई की। उन्होंने समाहरणालय आयीं सकीला खातून व नुसरत की मां फातिमा खातून को पीटकर जख्मी कर दिया। किशोरी के यौन उत्पीड़न मामले में फातमा खातून गवाह बनी थी। मुखिया के पुत्रों पर आरोप है कि वे केस खत्म कर यौन उत्पीड़न के आरोपी इश्तेयाक को बचाना चाहते हैं। यौन उत्पीड़न के आरोपी इश्तेयाक तथा उसे बचाने वाले व महिलाओं की पिटाई करने वाले मुखिया पुत्रों को गिरफ्तार कर कड़ी से कड़ी सजा देने, महिलाओं पर बढ़ते अपराध, अश्लीलता व नशाखोरी के विरोध में शुक्रवार को ऑल इंडिया महिला सांस्कृतिक संगठन (एआईएमएसएस) ने समाहरणालय पर धरना दिया।

धरना को संबोधित करते हुए एआईएमएसएस राज्य कमिटी सदस्या कॉमरेड अनामिका ने कहा कि देश में बलात्कार, छेड़छाड़, अपहरण की घटनाएं बढ़ती जा रही हैं। दुधमुंही बच्चियों से लेकर बुजुर्ग महिलाओं के साथ भी ऐसी पाशविक घटनाएं घट रही हैं। आज देश में हर 54 मिनट में एक बलात्कार, 51 मिनट में एक यौन उत्पीड़न, 26 मिनट में एक छेड़छाड़ की घटना तथा 102 मिनट में एक दहेज हत्या की घटना घट रही है। उन्होंने कहा कि आज धड़ल्ले से शराब के ठेके का लाइसेंस दिया जा रहा है। उन्होंने महिलाओं पर हो रहे अत्याचारों-अपराधों के खिलाफ ताकतवर जनआंदोलन गठित करने की जरूरत पर बल दिया। इस मौके पर ऑल इंडिया डीएसओ के जिला सचिव लालबाबू राय, इबरान खातून, समीदा खातून, सुनीता देवी, शोभा देवी, आसमा खातून और निर्मला ने संबोधित किया। सभी वक्ताओं ने बलात्कार के आरोपी इश्तेयाक की गिरफ्तारी की मांग करते हुए उसे कड़ी सजा देने की मांग की। साथ ही बलात्कार के आरोपी को बचाने की कोशिश करने वाले तथा प्रतिवादी महिलाओं की पिटाई करने वाले मुखिया पुत्रों की भी गिरफ्तारी तथा सजा दिलाने की मांग की। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रेमा देवी तथा संचालन एआईएमएसएस की जिला संयोजिका कंचन कुमारी ने किया।

शिक्षक पात्रता परीक्षा के केन्द्र परीक्षार्थियों के गृह जिले में करने की उठी मांग

रोहतक (हरियाणा): हरियाणा शिक्षक पात्रता परीक्षा(एचटेट) के लिए केन्द्र परीक्षार्थियों के गृह जिले में करने की मांग को लेकर ऑल इण्डिया डीएसओ और ऑल इण्डिया डीवाईओ के प्रतिनिधिमण्डल ने सोमवार को जिला उपायुक्त के द्वारा माननीय मुख्यमंत्री को ज्ञापन सौंपा। एआईडीएसओ के अखिल भारतीय काउन्सिल सदस्य उमेश कुमार ने बताया कि हरियाणा शिक्षक पात्रता परीक्षा के लिए परीक्षा केन्द्र परीक्षार्थियों के गृह जिले से बाहर सैकड़ों किमी दूर दूसरे जिलों में निर्धारित किए गए हैं। रोहतक के परीक्षार्थियों को गुड़गाँव व फरीदाबाद में सेण्टर दिए गए हैं जो गैर जरूरी, बेमायने और बेतुका निर्णय है। इससे परीक्षार्थियों को भारी कठिनाई और आर्थिक हानि है। कइयों के लिए सुबह चलकर परीक्षा के लिए पहुँचना बेहद मुश्किल है। सार्वजनिक वाहन सेवा उपलब्ध नहीं होती। वाहनों में स्थान पाने के लिए मारा-मारी होती है। अनेक को निजी वाहन करने पड़ते हैं। अनेक महिला परीक्षार्थियों की गोद में उनकी शिशु संतान के रिश्तेदार साथ ले जाने पड़ते हैं। यह एक परीक्षा न होकर कई तरह की बाधाओं से जूझने की कसरत होती है, जो पूरी तरह से नाजायज है। गृह जिला से बाहर दूर दूसरे जिलों में परीक्षा लेने का यह निर्णय तर्कहीन और तुगलकी फरमान है। इसे तक्काल वापस लिया जाए। गृह जिला में ही परीक्षा ली जाए अन्यथा माना जाएगा कि सरकार बेरोजगारों से क्रूर व्यवहार कर रही है। जिसका हर तरह से प्रतिवाद करना न्यायसंगत होगा। ऑल इण्डिया डीएसओ और ऑल इण्डिया डीवाईओ ने सरकार से मांग की है कि इस तुगलकी फरमान को वापस लिया जाए और नए सिरे से गृह जिला में परीक्षा केन्द्र निर्धारित किए जाएं। इसके लिए परीक्षा तिथि बदलनी पड़े तो वह भी बदली जाए। प्रतिनिधिमण्डल में उमेश, कविता, प्रतिभा, स्फूर्ति, कुलदीप व अनिल शामिल हुए। रेवाड़ी, सोनीपत, गुड़गांव, कैथल, तावडू आदि जिलों में भी उपायुक्त के जरिये ज्ञापन दिये गये।

रेवाड़ी : 1-2 फरवरी को कड़ाके की ठण्ड के बीच होने वाली हरियाणा शिक्षक पात्रता परीक्षा (एचटेट) के सेंटर 100 से 250 किमी दूर दिए जाने के खिलाफ युवा, खासकर महिलाएं अपने बच्चों के साथ रेवाड़ी में जिला मुख्यालय के सामने धरने पर बैठ गई। इनका शिक्षा बोर्ड चेयरमैन से एक ही सवाल है कि आखिर बच्चों के संग इतनी दूर परीक्षा देने कैसे जाएं, हमारे साथ मासूम भी तंग होंगे। एसयूसीआई(सी) एवं ऑल इण्डिया डीवाईओ ने प्रदेश के सभी जिला मुख्यालयों पर धरना-प्रदर्शन शुरू किया। युवाओं ने हरियाणा विद्यालय शिखा बोर्ड के चेयरमैन को पोस्टकार्ड भेजकर अनेक सवालों के जवाब मांगे हैं।

एसयूसीआई के जिला सचिव कॉमरेड राजेन्द्र सिंह ने धरने पर बैठे परीक्षार्थियों को सम्बोधित किया।। परीक्षा केन्द्र नहीं बदले जाने तक धरना जारी रहेगा।

भिवानी : अध्यापक पात्रता परीक्षा (एचटेट) के सिर्फ दो दिन ही शेष रहने पर भी विद्यार्थी परीक्षा केन्द्र को नजदीक के जिला में देने की मांग पर सड़कों पर उतर पड़े हैं। 29 जनवरी को एचटेट परीक्षा के लिए सेंटर गृह जिले से बाहर दिए जाने के विरोध में ऑल इण्डिया डेमोक्रेटिक स्टूडेण्ट्स आर्गेनाइजेशन के बैनर तले छात्रों व परीक्षार्थियों ने प्रदर्शन किया और शिक्षा बोर्ड चेयरमैन व सचिव को ज्ञापन सौंपा। इससे पहले सभी परीक्षार्थी नेहरू पार्क में इकट्ठा हुए। आर्गेनाइजेशन के प्रधान हरीश ने कहा कि जिले से काफी दूर सेण्टर देकर शिक्षा बोर्ड ने परीक्षार्थियों से नाइंसाफी की है। परीक्षा देने वालों में लड़कियाँ और छोटे-छोटे बच्चों की माताएं भी हैं। परीक्षा केन्द्र दूर होने के कारण उन्हें काफी परेशानी का सामना करना पड़ेगा। ऑल इण्डिया डीएसओ व ऑल इण्डिया डीवाईओ के कार्यकर्ताओं ने मांग की है कि अगर जल्द ही शिक्षा बोर्ड ने अपने फैसले को नहीं बदला तो वे अपना आन्दोलन और तेज कर देंगे।

भिवानी में हरियाणा स्कूल शिक्षा बोर्ड के समक्ष प्रदर्शन करते हुए छात्र-नौजवान

आईटीआई में सेमेस्टर प्रणाली लागू किए जाने के विरोध में प्रदर्शन

राँची (झारखण्ड): आईटीआई में सेमेस्टर प्रणाली लागू किए जाने के विरोध में 20 जनवरी 2014 को एआईडीवाईओ के बैनर तले एक विरोध प्रर्शन किया गया। सैकड़ों छात्र-नौजवानों ने राजेन्द्र प्रसाद चौक से जुलूस निकाला जो हाई कोर्ट चौक से होते हुए सचिवालय (नेपाल हाऊस) पहुँच कर सभा में तब्दील हो गया।

सभा का संचालन एआईडीवाईओ के राज्य सचिव कॉमरेड स्वरूप कुमार ने किया। एआईडीवाईओ के अखिल भारतीय उपाध्यक्ष कॉमरेड दीपक कुमार मख्य वक्ता थे। उन्होंने कहा कि देश भर में आईटीआई में सेमेस्टर प्रणाली लागू कर दी गई है। हमारा संगठन इसका जोरदार विरोध करता है। गत 60 वर्षों से वार्षिक परीक्षा प्रणाली इन संस्थानों में लागू थी। सेमेस्टर प्रणाली समय की कमी के कारण छात्रों को उचित और समग्र ज्ञान हासिल करने से वंचित कर देगी और छात्रों का ध्यान सिर्फ नम्बर हासिल करने और परीक्षा पास करने पर केन्द्रित हो जाएगा। डीजीईटी और डीईटी द्वारा ऐसे समय सेमेस्टर प्रणाली का लागू किया जाना जब छात्र दाखिला ले चुके हैं और कक्षाएं प्रारंभ हो चुकी हैं। यह पूर्णत: गलत और धोखाबाजी पूर्ण है।

बिजली बिलों में वृद्धि किये जाने पर जताया रोष, पुतला फूँका

बहादुरगढ़ (हरियाणा): एसयूसीआई(सी) की स्थानीय कमेटी ने हरियाणा सरकार द्वारा बिजली बिलों में वृद्धि करने, सहित कई अन्य जन-विरोधी निर्णयों को लेकर रोष जताते हुए शहर के लाल चौक के पास प्रदेश सरकार की नीतियों का पुतला फूँका।

इससे पहले शहर के प्रमुख मार्ग से होते हुए एसयूसीआई (सी) से जुड़े नेताओं व सदस्यों ने सरकार की गलत नीतियों की जमकर निन्दा की। प्रदर्शन का नेतृत्व जिला कमेटी सदस्य कॉमरेड जयकरण ने किया। शहर के लाल चौक पर रोष जताते हुए उन्होंने बिजली बिलों में बेतहाशा वृद्धि, स्लैब सिस्टम खत्म करने, सर्विस चार्ज, फ्यूल चार्ज, म्यूनिसिपल आदि सरचार्ज बढ़ाने का विरोध किया। एसयूसीआई(सी) के नेताओं के अनुसार जनता पहले ही सड़कों पर टोल टैक्स, घरों में प्रोपर्टी टैक्स व विकास शुल्क देकर त्राहि-त्राहि कर रही है ऐसे में बिजली बिलों में वृद्धि असहनीय हो गई है। प्रदर्शन में रामबढ़ई, सतीश कुमार, सीताराम, लाल सिंह, रामकिशन, एडवोकेट उमेद सिंह दहिया, रणवीर राठी, दीपक कादियान, गुरमीत सिंह, डॉ. सूरत सिंह, उदय सिंह मलिक, सरोजनी, राजरानी, आदि ने विरोध व्यक्त किया।

फैशन शो का विरोध

आरोन (म.प्र.): शासकीय महाविद्यालय आरोन में वार्षिकोत्सव समारोह में आयोजित होने वाले फैशन शो प्रतियोगिता का विरोध कॉलेज से निकलकर सड़कों तक पहुँच गया है। स्थानीय गुलाबगंज चौराहे पर फैशन शो व अन्य फूहड़ कार्यक्रमों का ऑल इण्डिया डीएसओ, ऑल इण्डिया डीवाईओ एवं ऑल इण्डिया एमएसएस द्वारा जोरदार विरोध किया गया। प्रदर्शन में बड़ी संख्या में छात्र, अभिभावक एवं शिक्षक शामिल हुए।

प्रदर्शनकारियों को सम्बोधित करते हुए मनीष श्रीवास्तव ने कहा कि फैशन शो कोई कला या टेलेण्ट नहीं है। यह मात्र बड़ी-बड़ी कम्पनियों के उत्पाद बेचने का माध्यम है। इसीलिए इसे शुरू किया गया था। अगर आज यह छोटे रूप में आरोन में शुरू हुआ तो आगे यह अश्लीलता फैलाने का शो एक परम्परा के रूप में जगह-जगह होने लगेगा।

महिला संगठन की नगर अध्यक्षा कॉ. माधवी जैन ने कहा कि एक ऐसे माहौल में जब छोटी-छोटी बच्चियाँ तक सुरक्षित नहीं हैं, चारों तरफ अश्लीलता का माहौल व्याप्त है तब फैशन शो जैसे भौण्डे आयोजन से छात्र या समाज क्या सीखेगा? हमें माहौल सुधारने की जरूरत है।

डीएसओ के नगर प्रभारी तेजभान साहू का कहना था कि शिक्षा के केन्द्र में अश्लीलता व अपसंस्कृति फैलाना पूरी तरह गलत है। प्रदर्शन एक जुलूस के रूप में चलते हुए एस.डी.एम. कार्यालय पहुँचा जहाँ एस.डी.एम. महोदय को इस आशय का एक ज्ञापन सौंपा गया।

नेताजी जयंती ...

(पृष्ठ 6 का शेष)

भाठा होते हुए शहीद चौक पर पहुँच कर सभा में परिवर्तित हो गई। वहाँ सर्वप्रथम चारों क्रांतिकारियों, शहीद चन्द्रशेखर आजाद, नेताजी सुभाष चन्द्र बोस, शहीद भगत सिंह, शहीद उधम सिंह की मूर्तियों पर माल्यार्पण किया गया। इस कार्यक्रम में शहीद भगत सिंह स्कूल के संस्थापक प्राचार्य श्री एन.के. वर्मा ने नेताजी सुभाष के जीवन-संघर्ष पर विस्तृत चर्चा करते हुए उनके जीवन से प्रेरणा लेकर अन्याय के खिलाफ एकजुट होकर लड़ने के लिए छात्रों का आह्वान किया। इस अवसर पर स्कूल के प्राचार्य, शिक्षक, शिक्षिकाओं सहित अन्य गणमान्य नागरिक भी उपस्थित थे। क्रांतिकारी नारों के साथ सभा का समापन हुआ। सुनीता कुमारी के नेतृत्व में नवीन उच्चतर मा. विद्यालय आदित्य नगर में भी जयंती कार्यक्रम हुआ।

दुर्ग में ए.आई.डी.एस.ओ. द्वारा इस अवसर पर साईन्स कॉलेज के गेट के पास नेताजी सुभाष चन्द्र बोस की फोटो पर माल्यार्पण कर सभा की गई। नीतू साहू ने छात्रों से अपील करते हुए कहा कि हर युग में छात्र-युवाओं ने अन्याय-अत्याचार के खिलाफ संगठित होकर उच्च नीति-नैतिकता के बलबूते पर सामाजिक-सांस्कृतिक बदलाव व सामाजिक प्रगति के लिए अपने प्राणों को न्योछावर किये जिसका ज्वलंत उदाहरण महान क्रांतिकारी नेताजी सुभाष चन्द्र बोस हैं। अत: इन क्रांतिकारियों के जीवन-संघर्षो से सीख लेकर अन्याय-अत्याचार एवं शोषण के खिलाफ जोरदार छात्र आंदोलन निर्मित करना होगा तभी उनके सपनों का समाज बन पायेगा।

गुजरात

नेताजी सुभाष चन्द्र बोस जयन्ती गुजरात में विभिन्न स्थानों पर सम्मानपूर्वक मनाई गई। सूरत में एक जनसभा और रैली का आयोजन एआईडीवाईओ द्वारा वाराचा क्षेत्र में किया गया। नेताजी का फोटो सामने लिए एक सुसज्जित रैली सूरत स्टेशन से शुरू हुई। काफी बड़ी संख्या में छात्रों-नौजवानों ने रैली में हिस्सा लिया और नारे लगाए। सभा की अध्यक्षता कॉमरेड कानुभाई खदादिया ने की और एआईडीवाईओ के गुजरात राज्य कमेटी सचिव कॉमरेड जयेश पटेल ने भी सभा को सम्बोधित किया। कॉ. राममूरत मोर्या ने सभा का संचालन किया।

बढ़ोदरा में एसयूसीआई(सी) एआईडीवाईओ और एआईएमएसएस ने संयुक्त रूप से नेताजी सुभाष यात्रा आयोजित की जो पूरे शहर में घूमी। बढ़ोदरा के जाने माने मानव अधिकार कार्यकर्ता धीरू मिस्त्री ने यात्रा को झण्डी दिखाकर रवाना किया। यात्रा नेताजी की मूर्ति से शुरू हुई और भगत सिंह की मूर्ति पर समाप्त हुई। शहर के बहुत से नागरिकों ने उत्साहपूर्वक यात्रा में हिस्सा लिया और नेताजी के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित की।

अहमदाबाद में एआईडीएसओ ने गुजरात यूनिवर्सिटी कैम्पस में एक चर्चा का आयोजन किया जिसका विष्य था : 'क्या छात्रों को राजनीति में हिस्सा लेना चाहिए'।

25 जनवरी को गुजरात में एक नागरकि सम्मेलन आयोजित किया गया। इसका विष्य था : 'भयमुक्त गुजरात, भ्रान्तिरहित भारत'। नागरिक सम्मेलन 25 जनवरी को अहमदाबाद के महंदी अवाब जंग हाल में लोक आन्दोलन गुजरात और पीयूसीएल द्वारा आयोजित किया गया। इसके बाद पाल्दी ट्रेफिक सर्कल पर जन प्रदर्शन हुआ।

सूरत में नेताजी सुभाषचन्द्र बोस की 117वीं जयन्ती पर एआईडीवाईओ द्वारा एक रैली और जनसभा आयोजित की गई।

R.N.I. No.- 43022/85
P.R.No.-DL(C)-01/1123/2012-2014
Posting at IPMBC on 7–8 and 22–23 Fortnightly, Date of Printing : 5 February, 2014

मुक्ति के लिए बस और बीस साल!

गरीब की प्रगति को बाधित करने वाले ''तीन मिथकों''–गरीब देश गरीब बने रहने के लिए अभिशप्त हैं, विदेशी सहायता एक बहुत बड़ी फिजूलखर्ची है और जीवन बचाना ओवर-पोपूलेशन पैदा करता है'' को खारिज करते हुए दुनिया में अकेले सबसे बड़े अमीर बिल गेट्स ने आशावाद जाहिर किया है कि इस दुनिया में 2035 तक कोई भी देश गरीब नहीं रहेगा। गेट्स लिखते हैं: '' यह मानना न केवल गलत है कि दुनिया बदतर होती जा रही है, कि हम घोर गरीबी और बीमारी की समस्या को हल नहीं कर सकते, बल्कि लगभग किसी भी पहलू से देखने सें दुनिया पहले से कहीं बेहतर है। दो दशकों में यह और भी बेहतर हो जाएगी।''

हम आनंदित हुए! हम उत्साहित हुए! क्योंकि, विश्वव्यापी विकास संगठन ओक्सफाम द्वारा 'वर्किंग फॉर द फ्यु' शीर्षक से प्रकाशित रिपोर्ट पिछले महीने दावोस,स्वीटजरलैण्ड में हाल ही में सम्पन्न विश्व आर्थिक फोरम शिखर वार्ता से पहले प्रकाशित की गई थी जिसके मुताबिक जितनी धन-सम्पदा निचले स्तर की दुनिया की आधी आबादी के पास है उतनी ही, धन-सम्पदा केवल चन्द अभिजातों, 85% सबसे धनाढ्य आदमियों के पास है। रिपोर्ट कहती है कि धनाढ्य अभिजातों ने डेमोक्रेसी की अहमियत को घटाते हुए आर्थिक खेल के नियमों में हेराफेरी करने के लिए राजनैतिक ताकत को सहयोजित कर लिया है और 1970 के दशक के अंतिम दौर से 30 देशों में से 29 में अमीरों के लिए टैक्स दरें घट गई हैं; जिसका मायने है अनेक जगहों पर अमीर न केवल अधिक धन बटोर रहे हैं, बल्कि इस पर टैक्स भी कम दे रहे हैं। रिपोर्ट के मुताबिक पिछले 25 साल में धन-सम्पदा चन्द लोगों के हाथों में और भी संकेन्द्रित हो गई है, यहाँ तक कि दुनिया के 1% परिवार दुनिया की लगभग आधी (46%) धन-सम्पदा के मालिक हैं। रिपोर्ट में यह आरोप लगाया गया है कि दुनिया में सबसे अमीर आदमियों और कम्पनियों ने टैक्स अधिकारियों से छुपा कर लाखों करोड़ डालर दुनिया भर के टैक्स हैवनों में जमा कर रखे हैं। इसने यह भी बताया है कि अनुमान है 21 लाख करोड़ डालर का कोई हिसाब-किताब नहीं है जो विदेशों में जमा हैं। रिपोर्ट में आगे बताया गया है कि भारत में नितांत प्रतिगामी टैक्स ढाँचे की मदद और धनाढ्यों द्वारा अपने सरकारी ताल्लुकात का इस्तेमाल करने के चलते पिछले दस साल में खरबपतियों की संख्या दस गुना बढ़ गई है जबकि सबसे गरीबों के लिए खर्च निहायत ही कम है। इसके अलावा दस में से सात लोग ऐसे देशों में रहते हें जहाँ आर्थिक असमानता पिछले 30 साल में बढ़ी है। गेट्स हर पहलू सही हैं!! कैसे कोई देश गरीब रह सकता है अगर उनके जैसे 'डेमोक्रेसी', उदार आर्थिक मॉडल पर सवार हो कर और समावेशित विकास व समृद्धि के लिए खालिस पसंद वाले तमाम धन-सम्पदा को हड़पना जारी रखे हुए हैं कि कंगाल और दरिद्र हर दिन खून के हर कतरे को निचोड़े जाने का आनंद ले रहे हैं।
(सूत्र : इकोनोमिक टाइम्स 21.01.14)

सीजीएचएस के अनुबंधित कर्मचारियों का देशव्यापी कार्य बहिष्कार व धरना

जंतर मंतर पर प्रदर्शनकारियों को सम्बोधित करते हुए कामरेड हरीश त्यागी

नई दिल्ली : केन्द्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के सीजीएचएस विभाग में कार्यरत डाटा एंट्री ऑपरेटरों को 31 मार्च 2014 से नौकरी से निकाले जाने के आदेश के विरोध में 3 फरवरी को वे यहां जंतर मंतर पर इकठ्ठे हुए और धरना दिया। देश भर में सीजीएचएस की डिस्पेंसरियों व आफिसों में 300 से अधिक डाटा एंट्री ऑपरेटर व ऑपरेशन मैनेजर पिछले 7-8 वर्षों से कार्यरत हैं। लम्बे समय से अनुबंधित कर्मचारी अपनी सेवाओं को नियमित करने, तब तक नियमित कर्मचारी के समान वेतन व भत्ते दिये जाने की मांगों को लेकर लगातार प्रयासरत हैं। इस संदर्भ में सीजीएचएस के डाइरेक्टर जनरल व मंत्री गुलाम नबी आजाद को कई बार ज्ञापन पत्र दिये जा चुके हैं मगर उन पर सहानुभूतिपूर्वक सकारात्मक निर्णय लेने के बजाय उन्हें हटाये जाने का नोटिस थमा दिया गया।

प्रदर्शनकारियों को ऑल इण्डिया यूटीयूसी के राष्ट्रीय सचिवमण्डल के सदस्य कामरेड आर.के. शर्मा, दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष व सचिव क्रमशः कामरेडस हरीश त्यागी व मैनेजर चौरसिया और राम, नीरज, रंजन, नानूराम, मुकेश आदि ने सम्बोधित किया। इस धरने में दिल्ली के अलावा पटना, पुणे, जयपुर, लखनऊ, भोपाल, इलाहाबाद, कानपुर, मेरठ, रांची, आदि के सीजीएचएस सेण्टरों से आये डाटा एंट्री ऑपरेटरों व ऑपरेशन मैनेजरों ने हिस्सा लिया। केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्री व सीजीएचएस विभाग के डाइरेक्टर जनरल को एक ज्ञापन भी भेजा गया। इसमे उक्त आदेश वापिस लेने और सभी अनुबंधित कर्मचारियों की सेवाएं नियमित करने और तब तक विभाग में कार्यरत नियमित कर्मचारियों के समान वेतन व भत्ते दिये जाने की मांग की गई।

आंगनवाड़ी कर्मियों ने सौंपा ज्ञापन

दिल्ली : आंगनवाड़ी वर्कर्स एण्ड हैल्पर्स एसोसियेशन दिल्ली की प्रतिनिधियों ने 11जनवरी को दिल्ली सचिवालय के सामने जनता दरबार में एसोसियेशन के संयोजक रामकरण के नेतृत्व में महिला एवं बाल विकास मंत्री राखी बिरला को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में एसोसियेशन द्वारा आंगनवाड़ी वर्करों और हैल्परों को सरकारी कर्मचारी का दर्जा दिए जाने, सुपरवाइजरों की भर्ती बाहर से करने के बजाय आंगनवाड़ी कर्मियों की वरीयता के आधार पर प्रोन्नति दिए जाने, मानदेय के बजाय समुचित वेतन के रूप में राजधानी दिल्ली में भी हरियाणा सरकार के द्वारा हरियाणा में दिये रहे 7500 रुपये महीना के मुकाबले वर्करों को 10 हजार रुपये महीना व हैल्परों को 7500 रुपये महीना देना लागू करने, सामाजिक सुरक्षा के मद्देनजर आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं एवं सहायिकाओं को पेन्शन, पीएफ, बीमा, ईएसआई का लाभ व मातृत्व लाभ दिया जाने, सभी केन्द्रों में क्लास रूम सहित शौचालय, बाथरूम, हवा, पानी, रोशनी, ब्लैक बोर्ड, टाट पट्टी व स्टेशनरी सहित मोबाइल फोन की सुविधा उपलब्ध कराने, आई.सी.डी.एस. परियोजना को अपग्रेड करने, गर्भवती महिलाओं और शिशुओं के पोषाहार खर्च में बढ़ोतरी करने आदि मांग की गई। इसके अलावा पोषाहार वितरण प्रणाली में ठेकेदारी पर रोक लगाने, सर्दी-गर्मी की सम्पूर्ण वर्दी अच्छी क्वालिटी की दी जाने, रिटारमेंट की अवधि में 2 साल की बढ़ोतरी करने और रिटायरमंट के अवसर पर वर्कर को 5 लाख और हैल्पर को ढाई लाख रुपये की सम्मान जनक राशि दी जाने की भी मांग की गई।

ज्ञापन देने वालों में एसोसियेशन की महासचिव रामरती राणा, प्रधान राजवंती और कोषाध्यक्ष जगवंती, रोशनी, रेखा, सुमित्रा आदि भी शामिल थी। मंत्री महोदया ने एसोसियेशन की सदस्यों को समस्याओं के समाधान का आश्वासन दिया।

महंगाई और सरकार की जनविरोधी नीतियों के खिलाफ संघर्ष जारी है

केरल : बढ़ती महंगाई और केन्द्र व राज्य सरकार की जनविरोधी नीतियों के खिलाफ एसयूसीआई (कम्युनिस्ट) पार्टी की राज्य कमेटी की ओर से 31 जनवरी को जिला मुख्यालयों पर विभिन्न कार्यालयों के समक्ष विरोध प्रदर्शनों का सप्ताह भर का कार्यक्रम लिया गया।

पार्टी के केन्द्रीय कमेटी सदस्य एवं राज्य सचिव कामरेड सी.के. लुकोज ने त्रिवेन्द्रम में जनरल पोस्ट ऑफिस पर प्रदर्शन का शुभारम्भ किया।

पार्टी की राज्य कमेटी के सदस्य कामरेड वी. वेणुगोपाल ने अल्लापूजा में बीएसएनएल कार्यालय के समक्ष विरोध प्रदर्शन की शुरूआत की। अन्य नेताओं ने बाकी जिलों में विरोध प्रदर्शनों का उद्घाटन किया। ऑल इण्डिया यूटीयूसी, एमएसएस, डीएसओ, डीवाईओ के नेताओं ने भी सभाओं को सम्बोधित किया। इन विरोध प्रदर्शनों में सैकड़ों लोगों ने शिरकत की।

(त्रिवेन्द्रम में डाकखाने पर विरोध प्रदर्शन को सम्बोधित करते हुए कॉ. सी.के. लुकोज)

सोशलिस्ट यूनिटी सेन्टर ऑफ इण्डिया (कम्युनिस्ट) की ओर से कॉ. सत्यवान द्वारा 3ए/38, डब्ल्यू.ई.ए., करोल बाग. नई दिल्ली-5 से संपादित व प्रकाशित तथा परम्परा प्रिंटिंग प्रेस, बी-70/83, इण्डस्ट्रियल एरिया, लॉरेंस रोड, दिल्ली-35 से मुद्रित। दूरभाष : 011-25726631, Email: sarvaharadrishtikon@gmail.com